ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

19 November 2024

ऑस्ट्रेलिया में किशोरों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध का प्रस्ताव

सन्दर्भ: हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (जैसे, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक) तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए कानून लाने की योजना की घोषणा की है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों से जुड़ी चिंताओं का समाधान करना है।

प्रस्तावित कानून:

- यह प्रस्ताव दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट फ्रेंच के नेतृत्व में किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन पर आधारित है, जिसमें नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया तक पहुंच को प्रतिबंधित करने की व्यवहार्यता का विश्लेषण किया गया था।

कानून के मुख्य पहलू:

- **आयु सत्यापन:** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि 14 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्म तक पहुंच न सकें। 14 और 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक्सेस केवल माता-पिता की सहमति से संभव होगा।
- **विनियमन और दंड:** कानून के प्रवर्तन की निगरानी के लिए एक नियामक निकाय की स्थापना की जाएगी। गैर-अनुपालन करने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाया जा सकता है, जिससे सोशल मीडिया के एक्सपोजर से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए बच्चों के ऑनलाइन सुरक्षा कोष को निधि दी जाएगी।

आयु-आधारित प्रतिबंध लागू करने की चुनौतियाँ:

- इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं से उनकी आयु की जानकारी प्राप्त करते हैं, लेकिन यह जानकारी स्वयं उपयोगकर्ता द्वारा दी जाती है। कई बार नाबालिग अपने वास्तविक आयु को छिपाकर या गलत जानकारी देकर इन प्लेटफार्मों तक पहुँच प्राप्त कर लेते हैं
- वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN) उपयोगकर्ताओं को अपना स्थान छिपाने और आयु प्रतिबंधों को दरकिनार करने की अनुमति देता है, जिससे प्रवर्तन कठिन हो जाता है।

प्रस्तावित समाधान:

- अध्ययन में आयु सत्यापन के लिए सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र, क्रेडिट कार्ड या चेहरे की पहचान तकनीक जैसे अधिक सुरक्षित तरीकों के उपयोग का सुझाव दिया गया है।
- हालांकि, इन समाधानों से गोपनीयता संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं, विशेषकर जब इसमें नाबालिगों का संवेदनशील डेटा शामिल हो।

सोशल मीडिया और किशोरों पर इसका प्रभाव:

- **मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट का खतरा:**
  - » अध्ययन से पता चलता है कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे चिंता, अवसाद और मादक द्रव्यों के सेवन में वृद्धि हो सकती है।
  - » यह पाया गया है कि लंबा समय स्क्रीन पर बिताने से नींद की आदतों पर नकारात्मक असर पड़ता है, जोकि किशोरों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।
  - » एक आदर्श ऑनलाइन व्यक्तित्व बनाए रखने का दबाव किशोरों में अपर्याप्तता, कम आत्मसम्मान और शारीरिक छवि के प्रति नकारात्मक भावनाएं उत्पन्न कर सकता है।
- **फियर ऑफ मिसिंग आउट (FOMO) की भूमिका:**
  - » किशोरों में फियर ऑफ मिसिंग आउट (FOMO) की भावना होती है, जिससे उनमें लगातार जुड़े रहने की इच्छा और चिंता उत्पन्न होती है।
  - » निरंतर ऑनलाइन संपर्क के कारण व्यक्तिगत बातचीत में कमी आती है, जिससे अकेलेपन की भावना बढ़ सकती है।
- **सोशल मीडिया के संभावित लाभ:**
  - » सोशल मीडिया का एक सकारात्मक पक्ष भी है, विशेषकर महामारी के दौरान, जब इसने किशोरों को जुड़े रहने और जानकारी प्राप्त करने में मदद की।
  - » यह हाशिए पर पड़े समूहों के लिए सामुदायिक भावना पैदा कर सकता है और मानसिक स्वास्थ्य, लिंग पहचान और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर समर्थन प्रदान कर सकता है।

वैश्विक बहस:

- **वैश्विक संदर्भ:**
  - » ऑस्ट्रेलिया का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा प्रदान करने के बारे में चल रही वैश्विक बहस में वृद्धि करता है। कई देशों (जैसे, यू.के., यू.एस) ने पहले ही सख्त नियमों या आयु सत्यापन प्रणालियों को लागू किया है।
- **शिक्षा बनाम प्रतिबंध:**
  - » कुछ लोग आयु सत्यापन प्रणाली और प्रतिबंधों के पक्षधर हैं,

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
@yeyaias.com

जबकि अन्य का मानना है कि सुरक्षित सोशल मीडिया उपयोग को लेकर शिक्षा और जागरूकता अधिक प्रभावी हो सकती है।

» नीति निर्माता सोशल मीडिया तक पहुंच को सीमित करने के बजाय डिजिटल साक्षरता पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और किशोरों को ऑनलाइन जिम्मेदारी से व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित कर सकते हैं।

असम सेमीकंडक्टर प्लांट

संदर्भ: हाल ही में असम के मोरीगांव में अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर सुविधा का निर्माण प्रारंभ हुआ है। इस परियोजना की कुल लागत 27,000 करोड़ है और इसे टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) के द्वारा विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना भारत की आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण विकास है।

संयंत्र की मुख्य विशेषताएँ:

- **उत्पादन क्षमता:** मोरीगांव संयंत्र से प्रतिदिन 48 मिलियन सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन होने की संभावना है। इसमें फ्लिप चिप और इंटीग्रेटेड सिस्टम इन पैकेज (आईएसआईपी) जैसी उन्नत पैकेजिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।
- **क्षेत्रीय ध्यान:** यह संयंत्र मुख्यत: ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), दूरसंचार और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को सेवा प्रदान करेगा, जोकि सेमीकंडक्टर घटकों पर अत्यधिक निर्भर हैं।

अर्धचालक के बारे में:

- अर्धचालक वे पदार्थ होते हैं जिनकी विद्युत चालकता चालक और इन्सुलेटर के बीच होती है। ये आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए आवश्यक होते हैं। सिलिकॉन और जर्मेनियम जैसे पदार्थ अर्धचालक के सामान्य उदाहरण हैं।
- जिनका उपयोग डायोड, ट्रांजिस्टर और एकीकृत सर्किट (IC) बनाने में किया जाता है। इनका प्रमुख उपयोग स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, और ऑटोमोबाइल जैसी तकनीकों में होता हैं। बिजली के प्रवाह को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता संकेतों को बढ़ाने, इलेक्ट्रॉनिक संकेतों को स्विच करने और डेटा संग्रहीत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षा:

- मोरीगांव संयंत्र भारत की व्यापक सेमीकंडक्टर रणनीति का हिस्सा है, जो भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के तहत संचालित है। इस मिशन का उद्देश्य सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के डिजाइन, निर्माण, संयोजन, परीक्षण और पैकेजिंग तक के सभी पहलुओं में आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करना है।
- भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2023 में 38 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 109 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो इस क्षेत्र में घरेलू उत्पादन की अत्यधिक आवश्यकता को दर्शाता है।

महत्वपूर्ण पहलें:

- **सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम:** यह कार्यक्रम 2021 में 76,000 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है। इसमें सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट्स (फैब्स), पैकेजिंग सुविधाएँ, और अन्य बुनियादी ढाँचे के विकास हेतु प्रोत्साहन शामिल हैं।
- **सेमीकंडक्टर उत्पादन का विस्तार:** मोरीगांव के अतिरिक्त, भारत के अन्य हिस्सों में भी सेमीकंडक्टर परियोजनाएँ चल रही हैं, जैसे कि गुजरात के धोलेरा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की सुविधा और साणंद में सीजी पावर का संयंत्र।

सरकारी सहायता:

- **वित्तीय प्रोत्साहन:** सेमीकॉन इंडिया के अलावा, भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्धचालक (SPECS) और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजनाओं जैसी कई योजनाओं को लागू किया है, जो सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करती हैं।

वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की बढ़ती भूमिका:

- **वैश्विक सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग:** 5G, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में बढ़ते अनुप्रयोगों के कारण वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की मांग में वृद्धि हो रही है।
- **वैश्विक कमी को दूर करना:** भारत का बढ़ता सेमीकंडक्टर बुनियादी ढाँचा वैश्विक सेमीकंडक्टर की कमी को कम करने और एक सुरक्षित, विविध आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- **डिजिटल अर्थव्यवस्था में योगदान:** भारत का लक्ष्य वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करना है, जिससे नवाचार, आर्थिक विकास, और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व निवेश के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

19 November 2024

भारत की पहली डायरेक्ट-टू-डिवाइस सैटेलाइट इंटरनेट सेवा

सन्दर्भ: हाल ही में भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने देश की पहली डायरेक्ट-टू-डिवाइस सैटेलाइट इंटरनेट सेवा की शुरुआत की है। यह पहल विशेष रूप से दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए की गई है, जहाँ पारंपरिक ब्रॉडबैंड बुनियादी ढांचा स्थापित करना कठिन रहा है।

बीएसएनएल की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा की मुख्य विशेषताएँ:

- यह सेवा तीव्र इंटरनेट पहुँच प्रदान करती है, जिससे उपयोगकर्ता वेबसाइट ब्राउजिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग, सोशल मीडिया में भागीदारी और अन्य ऑनलाइन गतिविधियाँ बिना किसी रुकावट के कर सकते हैं।
- उपग्रह नेटवर्क के माध्यम से व्यापक कवरेज सुनिश्चित किया गया है, जोकि उन क्षेत्रों तक पहुँचता है, जहाँ पारंपरिक ब्रॉडबैंड सेवाएँ नहीं पहुँच पाती हैं, विशेषकर भारत के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में।
- यह सेवा उपयोगकर्ताओं को आपातकालीन कॉल करने और सेलुलर या वाई-फाई नेटवर्क अनुपलब्ध होने पर एसओएस संदेश भेजने की अनुमति देती है। इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ता आपातकालीन स्थितियों में यूपीआई भुगतान भी कर सकते हैं, जोकि विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है, जहाँ अन्य नेटवर्क विकल्प उपलब्ध नहीं हैं।

डी2डी सैटेलाइट इंटरनेट क्या है?

- डी2डी सैटेलाइट इंटरनेट में उपग्रहों के माध्यम से सीधे उपयोगकर्ता के उपकरणों (जैसे स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट) को इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की जाती है।
- यह पारंपरिक स्थलीय बुनियादी ढाँचों, जैसे सेल टावर और फाइबर ऑप्टिक केबलों की भूमिका को कम करता है, जिससे दूरदराज और कम सुविधा वाले क्षेत्रों में इंटरनेट तक पहुँच संभव होती है।

डी2डी सैटेलाइट इंटरनेट की मुख्य विशेषताएँ:

- **उपग्रह-आधारित:** डेटा संचारित करने के लिए उपग्रहों का उपयोग किया जाता है जो भूस्थिर कक्षा (GEO), निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO), या मध्यम पृथ्वी कक्षा (MEO) में स्थित होते हैं।
- **डायरेक्ट-टू-डिवाइस:** इस प्रणाली में सैटेलाइट डिश या रिसीवर की आवश्यकता नहीं होती, यह सीधे उपयोगकर्ता के डिवाइस से जुड़ती है।
- **वायरलेस:** यह डेटा संचारण के लिए रेडियो आवृत्ति (RF) संकेतों का उपयोग करता है, जैसे सेलुलर या वाई-फाई नेटवर्क।
- **वैश्विक कवरेज:** यह दूरदराज, ग्रामीण और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में इंटरनेट पहुँच प्रदान करता है, जहाँ पारंपरिक ब्रॉडबैंड बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है।

डी2डी सैटेलाइट इंटरनेट कैसे काम करता है?

- **डिवाइस-सैटेलाइट संचार:** उपयोगकर्ता के डिवाइस उपग्रहों से वायरलेस तरीके से संचार करते हैं, जिसमें बीमफॉर्मिंग जैसी उन्नत सिग्नल अनुकूलन तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
- **नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर (NOC) से डेटा रिले:** उपग्रह डेटा को केंद्रीय हब (NOC) तक रिले किया जाता है, जहाँ नेटवर्क ट्रैफिक की निगरानी और प्रबंधन किया जाता है।
- **इंटरनेट बैकबोन से कनेक्शन:** NOC वैश्विक इंटरनेट बैकबोन से जुड़ता है, जिससे इंटरनेट डेटा का आदान-प्रदान सुगम होता है।
- **डिवाइस पर डेटा का संचरण:** डेटा को NOC से उपग्रह पर वापस भेजा जाता है और फिर उपयोगकर्ता के डिवाइस पर डाउनलिंक किया जाता है।

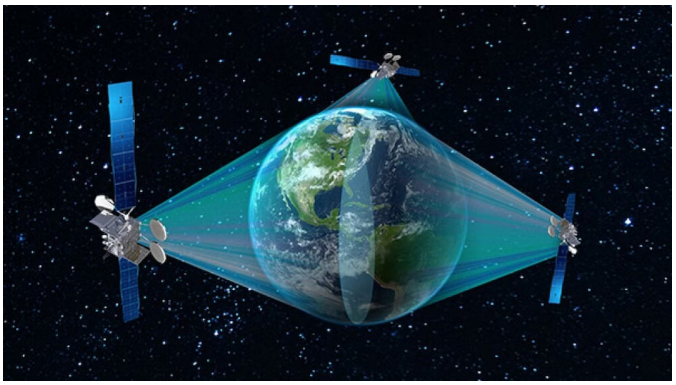

डी2डी सैटेलाइट इंटरनेट के लाभ:

- **दूरस्थ कवरेज:** यह उन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जहाँ पारंपरिक ब्रॉडबैंड अवसंरचना उपलब्ध नहीं है, जैसे ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्र।
- **विश्वसनीय कनेक्टिविटी:** यह भौगोलिक बाधाओं या प्राकृतिक आपदाओं से कम प्रभावित होता है, जिससे जमीन आधारित नेटवर्क की तुलना में अधिक विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करता है।
- **गतिशीलता:** यात्रा के दौरान भी कनेक्टिविटी सक्षम होती है, चाहे आप यात्रा पर हों, उड़ान में हों या जहाज पर हों।
- **त्वरित तैनाती:** पारंपरिक ब्रॉडबैंड बुनियादी ढाँचे की तुलना में इसकी तैनाती तेज होती है, जो इसे आपातकालीन स्थितियों और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए आदर्श बनाती है।

डी2डी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के उदाहरण:

- बीएसएनएल की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा (भारत)
- स्पेसएक्स का स्टारलिंक (वैश्विक)
- अमेजन का कुइपर सिस्टम्स (वैश्विक)
- वनवेब (वैश्विक)
- सैटेलाइट के माध्यम से एप्पल का आपातकालीन एसओएस

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

19 November 2024

पॉवर पैक्ड न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी नाइजीरिया के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित

- हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नाइजीरिया द्वारा 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' (जीसीओएन) से सम्मानित किया गया। यह एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले दूसरे विदेशी गणमान्य व्यक्ति बने।
- जीसीओएन नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान है, 1969 में महारानी एलिजाबेथ इसकी पहली विदेशी प्राप्तकर्ता थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने विनम्रता के साथ इस सम्मान को स्वीकार किया और इसे भारत के 140 करोड़ लोगों तथा भारत और नाइजीरिया के बीच मजबूत मित्रता को समर्पित किया।

- यह पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी को प्राप्त 17वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है, जोकि उनके नेतृत्व के प्रति बढ़ती वैश्विक प्रशंसा को दर्शाता है।
- अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी को संघीय राजधानी क्षेत्र के मंत्री न्येसोम एजेनवो वाइक द्वारा अबुजा की 'शहर की कुंजी' भी भेंट की गई।
- प्रधानमंत्री मोदी की नाइजीरिया यात्रा 17 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली नाइजीरिया यात्रा थी। नाइजीरिया की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद, वे जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील जाएंगे और फिर नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू के निमंत्रण पर अपनी तीन देशों की यात्रा के तहत गुयाना जाएंगे।

मनोज बाजपेयी की 'द फैबल' ने लीड्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता

- ब्रिटेन में आयोजित 38वें लीड्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एलआईएफएफ) में मनोज बाजपेयी की फिल्म 'द फैबल' ने कांस्टेलेशन फीचर फिल्म प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता।
- यह प्रतियोगिता वैश्विक स्तर पर अग्रणी सिनेमा का उत्सव मनाती है और 'द फैबल' को इसकी रचनात्मक कहानी और सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए मान्यता दी गई है।
- राम रेड्डी द्वारा निर्देशित 'द फैबल' का विश्व प्रीमियर 2024 में बर्लिनले फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और इसे पहले ही व्यापक सराहना मिल चुकी है।
- एलआईएफएफ में सफलता के बाद फिल्म ने 2024 मामी मुंबई फिल्म महोत्सव में विशेष जूरी पुरस्कार भी जीता।

लीड्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के बारे में:

- लीड्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जोकि इंग्लैंड में सबसे बड़े फिल्म महोत्सवों में से एक है, फिल्म निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है और इसका उद्देश्य नई और नवाचारी फिल्मों को प्रदर्शित करना है। 'द फैबल' फिल्म की इस महोत्सव में मान्यता भारतीय सिनेमा की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को दर्शाती है।

जौलजीबी मेला

- हाल ही में उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में जौलजीबी मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया।
- धारचूला तहसील में गोरीगंगा और काली नदियों के संगम पर स्थित जौलजीबी, ऐतिहासिक रूप से पशु व्यापार मेलों के केंद्र के रूप में अपनी समृद्ध विरासत के लिए जाना जाता है।
- वर्तमान में, यह भारत-नेपाल सीमा पर स्थित एक सीमावर्ती बाजार के रूप में कार्य करता है और व्यापार तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रमुख स्थल बना हुआ है।
- इस मेले को राज्य की "अनमोल विरासत" के रूप में मनाया जाता है, जोकि भारत, तिब्बत,

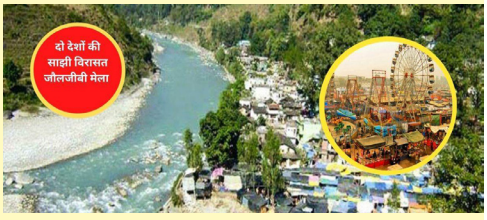

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

नेपाल और सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच आपसी सद्भाव को बढ़ावा देता है। यह मेला छोटे व्यापारियों, किसानों और कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

- उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने 64.47 करोड़ रुपये की 18 विकास योजनाओं की आधारशिला रखी , जिसका उद्देश्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को बढ़ाना है।
- इस दौरान मांडवा और झिंगूरा जैसी स्थानीय फसलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य ने बाजरा मिशन शुरू किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत पौराणिक मंदिरों के विकास पर भी जोर दिया , जिससे आगंतुकों को अधिक आकर्षित किया जा सकेगा और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।